www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 06 | जौनपुर, बुधवार, 19 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नीट सिस्टम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नीट परीक्षा की सुरक्षा और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि नीट की मौजूदा परीक्षा प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें सेंध लगाना बेहद मुश्किल है। सरकार के मुताबिक प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में कई स्तर की गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था लागू है। म्तततवत सवंकपदह ॅके. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने छज। को परीक्षा प्रणाली में लगातार सुधार करते रहने की सलाह दी। अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए न्ब्छ की तरह मजबूत और भरोसेमंद सिस्टम तैयार किया जाना चाहिए। इसके लिए नई तकनीक की समझ रखने वाले अधिकारियों को व्यवस्था में शामिल करने और अनुभवी अधिकारियों के बार–बार तबादले से बचने की जरूरत बताई गई। 'व्यवस्था की कमजोरियां दोबारा नहीं लौटनी चाहिए' जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, और अन्य संगठनों की याचिकाओं पर सुनवाई की। इन याचिकाओं में की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए एजेंसी में सुधार और पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कागज पर कोई भी प्रक्रिया बेहद मजबूत दिखाई दे सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक उसी व्यवस्था में पुरानी कमजोरियां वापस न आएं। अदालत का जोर लगातार निगरानी, तकनीकी सुधार और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करने पर रहा।सरकार के मुताबिक अलग–अलग विषयों के विशेषज्ञ प्रश्न बैंक तैयार करते हैं। इसके बाद प्रश्नों के अलग–अलग सेट तैयार किए जाते हैं। अंतिम प्रश्नपत्र का चयन सीमित स्तर पर किया जाता है, ताकि परीक्षा से पहले किसी एक व्यक्ति को पूरे पेपर की जानकारी न हो। प्रश्न बैंक को कई भाषाओं में तैयार किया जाता है और अनुवाद का काम विशेषज्ञों की निगरानी में कराया जाता है।

पीएम मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित, बताया मानव जीवन की सच्ची सफलता दूसरों के कल्याण में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर सुभाषित शेयर किया जिसमें उन्होंने संदेश दिया कि सदैव परोपकार एवं कल्याणकारी कर्म ही करें। प्राचीन संस्कृत सुभाषित के माध्यम से पीएम मोदी ने मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा कि इस संसार में प्राणियों का जन्म तभी सफल होता है, जब वे अपनी शारीरिक शक्ति, धन, बुद्धि और वाणी के माध्यम से लगातार दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करते रहें। इस सुभाषित का भावार्थ है कि मानव जीवन की असली पूर्ति तभी होती है, जब व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता से अन्य

जीवों के हित और भलाई के लिए निरंतर प्रयास करे। शरीर (प्राण), धन (अर्थ), बुद्धि और वाणीकृइन सभी साधनों का उपयोग परोपकार और कल्याण के कार्यों में करना ही जन्म की सार्थकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संदेश के माध्यम से समाज में परोपकार, सेवा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता के महत्व को रेखांकित किया है। उनका यह संदेश उन सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक है जो समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में लगे हुए हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को एक्स पर श्लोक साझा किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि मनुष्य को सदैव आत्मसम्मान, साहस और स्वाभिमान के साथ जीवन जीना चाहिए। सच्चा पुरुषार्थ और पराक्रम इसी में है कि व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता न करे, बल्कि सत्य, धैर्य और आत्मगौरव के साथ अपने आदर्शों पर दृढ़ रहे। सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए लिखा गया था, "सामूहिक संकल्प और एकता की शक्ति से ही देश आगे बढ़ता है। यही भावना भारत की प्रगति और समृद्धि की मजबूत नींव है।" उन्होंने एक श्लोक भी साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि हम सबके संकल्प एक समान होने चाहिए।

चेन्नई में दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की होगी बैठक, अमित शाह करेंगे अध्यक्षता

चेन्नई, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज बुधवार शाम चेन्नई पहुंचेंगे और गुरुवार को कोवलम में होने वाली 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय इस हाई–लेवल कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। उनके साथ अन्य दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। गृह मंत्री शाह के नई दिल्ली से शाम 4.50 बजे एक विशेष विमान से रवाना होने और शाम 7.40 बजे चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। हवाई अड्डे पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और बीजेपी पदाधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से कोवलम जाएंगे, जहां वे कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करने से पहले रात भर रुकेंगे। मुख्यमंत्री विजय के अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

एन. चंद्रबाबू नायडू और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी भी इस चर्चा में भाग लेंगे। बैठक में भाग लेने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव, गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय आमतौर पर राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए हर साल दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक बुलाता है। हालांकि, 2022 के बाद से यह कॉन्फ्रेंस नहीं हुई है, जिससे गुरुवार की चर्चा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। बैठक में राज्यों के बीच सहयोग, आर्थिक विकास, औद्योगिक निवेश, बुनियादी ढांचे के विस्तार, पानी के बंटवारे की व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी और आपदा प्रबंधन पर चर्चा होने की उम्मीद है।

आईसीएआर की 97वीं बैठक में कृषि अनुसंधान को किसान और बाजार केंद्रित बनाने पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 97वीं वार्षिक आम बैठक में कृषि अनुसंधान को किसान, बाजार और उपभोक्ता केंद्रित बनाने तथा प्रयोगशाला से खेत तक तकनीक पहुंचाने में तेजी लाने पर जोर दिया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत का सपना कृषि क्षेत्र को विकसित किए बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने मांग–आधारित अनुसंधान, एकीकृत कृषि प्रणाली, गुणवत्तापूर्ण बीज, मृदा स्वास्थ्य, संवहनीय कृषि और आईसीएआर–उद्योग साझेदारी को कृषि क्षेत्र में परिवर्तन के प्रमुख आधार बताया। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अनुसंधान व्यवस्था किसानों की जरूरतों, बाजार की मांग और उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान की सफलता केवल नए विचार या तकनीक विकसित करने में नहीं, बल्कि सही समय पर सही समस्या का समाधान करने और उसका लाभ तेजी से किसानों तक पहुंचाने में है। केंद्रीय मंत्री ने छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणालियों पर जोर दिया। इसमें फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बागवानी और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियों को जोड़ा जाता है।

भारत–जापान के बीच रक्षा सहयोग और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने पर होगी अहम चर्चा

जापान, (एजेंसी)। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी बुधवार को भारत पहुंचे हैं। यहां अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 19 अगस्त को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के साथ बातचीत की। इसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 अगस्त को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। गौरतलब है जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की यह पहली

भारत यात्रा है। दोनों नेताओं की बैठक में भारत–जापान रक्षा संबंधों को और मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास बढ़ाने तथा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उपायों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। बैठक के दौरान दोनों रक्षा मंत्री समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने तथा 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार–विमर्श करेंगे। जापान द्वारा रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से संबंधित अपने तीन सिद्धांतों में संशोधन किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने के लिए बैठक में आगे की कार्ययोजना और नए सहयोग क्षेत्रों की पहचान किए जाने की संभावना है।बुधवार को पश्चिमी नौसेना कमान की यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल को भारतीय नौसेना की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी नौसेना कमान पहुंचने पर शिंजिरो कोइजुमी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

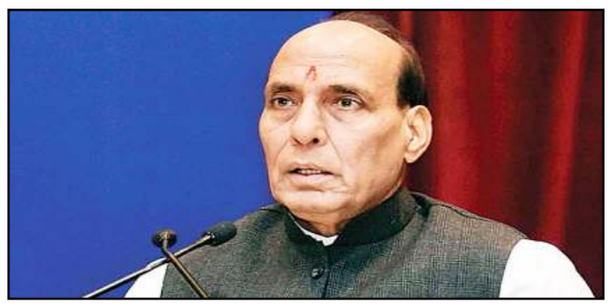

प्रस्तावित आईआईएम गुवाहाटी के लिए 574 बीघे आवंटित - हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को यहां कैबिनेट की बैठक के बाद कई बड़े फैसलों की घोषणा की। इन फैसलों में उच्च शिक्षा, प्रशासनिक पुनर्गठन, मानसिक स्वास्थ्य सेवा, बाल संरक्षण और युवा कल्याण जैसे मुद्दे शामिल हैं, जो संस्थागत बुनियादी ढांचे और सामाजिक सेवाओं के विस्तार पर राज्य सरकार के फोकस को दर्शाते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि प्रस्तावित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) गुवाहाटी के लिए 574 बीघा जमीन आवंटित की जाएगी। इस कदम से राज्य के उच्च शिक्षा इकोसिस्टम को मजबूती मिलने और छात्रों व शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर पैदा

होने की उम्मीद है। ॅके. मुख्यमंत्री ने असम सचिवालय को नई पहचान देने की योजना की भी घोषणा की, जिसके तहत 32 विभाग सचिवालय परिसर से काम करेंगे। इस पुनर्गठन का मकसद सरकारी कामकाज को सुव्यवस्थित करना और कई विभागों को एक ज्यादा एकीकृत प्रशासनिक ढांचे के तहत लाना है। एक और अहम घोषणा में, सरकार मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के लिए एक नया रेगुलेटरी फ्रेमवर्क (नियामक ढांचा) लाएगी। सरमा ने कहा कि 50 या उससे ज्यादा लोगों वाले काउंसलिंग सेंटरों के लिए अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा, ताकि ऐसे संस्थानों की उचित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों में ज्यादा भागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पहल करेगी, और जहां भी जरूरी हो, कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी। असम कैबिनेट ने किशोर न्याय प्रावधानों से जुड़े संशोधनों के साथ–साथ असम राज्य बाल संरक्षण विधेयक, 2026 को भी मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बदलावों का मकसद बच्चों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कानूनी और संस्थागत ढांचे को मजबूत करना है। सरमा ने यह भी घोषणा की कि राज्य 17 सितंबर से युवाओं पर केंद्रित एक नया ढांचा शुरू करेगा।

विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही सरकार – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां से जुड़ी मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी विरोधी तथा स्कूल बंद करवाने वाले भाजपा नेताओं की ओर से विरोधियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी की जा रही है जबकि भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर मामलों में कार्रवाई नहीं हो रही है। राजनीतिक समाचार और विश्लेषण पढ़ना म्तततवत सवंकपदह ॅके. अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ईडी की कार्रवाई के जरिए भाजपा अपने बचे हुए साम्प्रदायिक समर्थकों को संतुष्ट करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों और अनियमितताओं का जिक्र करते हुए सरकार पर निशाना साधा। सपा प्रमुख ने अपने ट्वीट में लिखा कि शिक्षा, शिक्षक व शिक्षार्थी विरोधी, स्कूलबंद करवाने वाले भाजपाई और उनके संगी–साथी यूनिवर्सिटी बनानेवालों के खिलाफ ईडी

की छापेमारी कर रहे हैं जिससे कि उनके 1–2: बचे हुए साम्प्रदायिक संकीर्ण सोच के कुतर्की समर्थकों को संतुष्ट कर पाएं जबकि उन भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही, जो निम्नांकित आपराधिक कांडों में संलिप्त हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा मामले से लेकर सत्ता के संरक्षण में सजातीय अपराधियों, कोडीन कफ सिरप की तस्करी और भ्रष्टाचार के मामलों का जिक्र भी किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकाल में निर्मित बुंदेलखंड खटपट सड़कें, गिरते पुल, ढहती टंकियां, निर्मित टपकती छतें, स्टेशन की दीवार जैसी घटनाओं को लेकर भी सरकार पर हमला बोला।

सीडब्ल्यूसी बैठक में छात्रों व राम मंदिर मामले पर केंद्र को घेरेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुधवार को नयी दिल्ली में होगी जिसमें देश के मौजूदा राजनीतिक हालात के साथ छात्रों से जुड़े मुद्दों और राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कार्य समिति की बैठक अपराह्न तीन बजे इंदिरा भवन में होगी। इसमें पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव जयराम रमेश और के.सी. वेणुगोपाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि छात्रों से जुड़े मुद्दों और राम मंदिर के चढ़ावे की कथित ''चोरी'' के आरोपों पर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार को घेरने की रणनीति, बैठक के प्रमुख एजेंडे में शामिल हो सकती है। इसके अलावा, अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की भी समीक्षा की जाएगी। पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना हैं। धेयक का समर्थन करने की अपील पर भी चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि सरकार निकट भविष्य में इस संबंध में संविधान संशोधन विधेयक ला सकती है। परिसीमन से जुड़े विधेयक के जरिये महिला आरक्षण लागू करने के संबंध में सरकार की संभावित पहल के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस मुद्दे पर 19 अगस्त की कार्य समिति की बैठक में चर्चा होगी। इस वर्ष अप्रैल में हुई कार्य समिति की बैठक के बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर महिला आरक्षण कानून के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया था।

सडक हादसे मे दरोगा की मौत,सिपाही गंभीर रुप से घायल, एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने लिया गंभीर रूप से घायल सिपाही का हाल-चाल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार देर रात पूराकलंदर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे मे थाना पूरा कलंदर मे तैनात उप निरीक्षक आकाश यादव व सिपाही प्रदीप कुमार की कार गश्त के दौरान रायबरेली मार्ग पर नऊवा कुआं के पास गिट्टी लदे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे मे कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार उप निरीक्षक आकाश यादव तथा कांस्टेबल प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।आनन फानन लोगो ने दोनों घायलों पुलिस कर्मियों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया,जहां चिकित्सकों ने 28 वर्षीय उप निरीक्षक आकाश यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं 27 वर्षीय कांस्टेबल प्रदीप कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका उपचार मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।बताया गया कि उप निरीक्षक आकाश यादव मूल रूप से मिर्जापुर जनपद के रहने वाले थे।ड्यूटी के दौरान साथी पुलिस कर्मी की असमय मौत की खबर से पुलिसकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई।बताते चले कि महज दो दिन पहले भी इसी थाना क्षेत्र में एक दरोगा सड़क हादसे में घायल हुआ था। लगातार हो रहे हादसों ने पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ तत्काल दुर्घटना स्थल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर गंभीर रूप से घायल कांस्टेबल प्रदीप कुमार का हाल जाना तथा चिकित्सकों से उसके स्वास्थ्य की जानकारी ली। एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने घायल पुलिसकर्मी के बेहतर उपचार के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए।उधर पुलिस ने हादसे में शामिल गिट्टी लदे ट्रेलर को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।बुधवार को सड़क हादसे में कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले उपनिरीक्षक आकाश यादव के पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन लाया गया। यहां पूरे पुलिस सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।माहौल बेहद गमगीन था।वर्दी में अपने साथी को अंतिम सलामी देते पुलिस कर्मियों की आंखें नम थीं।इस मौके पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ सिटी श्रेयश

त्रिपाठी,थानाध्यक्ष पूरा कलंदर अश्वनी पाण्डेय समेत पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने दिवंगत उपनिरीक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित की।अंतिम सलामी के बाद पूरे राजकीय एवं पुलिस सम्मान के साथ उप निरीक्षक आकाश यादव के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक जनपद के लिए रवाना किया गया।

संपादकीय

नौकरी की मजबूरी

भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश बने हुए हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। लाल सागर में यमन के पास भारतीय झंडे वाला एक व्यावसायिक जहाज डूब गया। राहत की बात है कि जहाज पर सवार 14 नाविकों को बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय हैं। भारतीय जहाज एसएसवी फैज नूर ओलिया पर यमन के हुदैदाध मोखा बंदरगाह के पास मिसाइल अथवा ड्रोन से हमला हुआ। हमला किसने किया, तुरंत यह मालूम नहीं हो सका, लेकिन यमन के पास इस जलमार्ग में जहाजों को अक्सर अंसारुल्लाह (हुती) विद्रोही निशाना बनाते रहे हैं। अंसारुल्लाह ने लाल सागर में मौजूद बाब–ए–मंदाब जल मार्ग को आम नौवहन के लिए बंद कर रखा है। इसके पहले खाड़ी में पांच महीनों से जारी युद्ध के दौरान होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर हुए हमलों में कम–से–कम 14 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं। इस बीच पिछले महीने काला सागर से गुजरने का प्रयास भी भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। बीते 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो हमलों में पांच भारतीय नाविक मारे गए। ये हमले यूक्रेन ने किए। ऐसे मामलों में भारत सरकार की प्रतिक्रिया ष्कड़ी निंदाष करने तक सीमित रही है। पिछले महीने यह खबर जरूर मीडिया में आई थी कि भारत सरकार ने शिपिंग कंपनियों को खतरनाक इलाकों में जाने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की ड्यूटी ना लगाने का निर्देश दिया है। ऐसे कथित निर्देश के औचित्य पर तभी कई सवाल उठे थे। बहरहाल, अब यह साफ हो चुका है कि अगर सचमुच वैसा कोई दिशा–निर्देश दिया गया था, तो वह बेअसर साबित हुआ है। तमाम नाविकों की तरह भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के युद्ध में अब सबसे बड़ा मसला होरमुज का ही रह गया है, जिस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए ईरान अडिग है। उधर हूतियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई छिड़ने से लाल सागर में भी खतरा बढ़ा है। इन सबके बीच भारतीय नाविकों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल रोज अधिक बड़ा होता चला गया है।

आंदोलनों से डरे लोग

तीन दिन पहले पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक और कारोबारी रामदेव ने शिक्षा व्यवस्था में आई गड़बड़ी और परीक्षाओं के पर्चे लीक होने को लेकर चिंता जताई थी। कई चौनलों के माइक के सामने बिना किसी का नाम लिए कहा था– सुधर जाओ, वर्ना मैं आंदोलन करूंगा। उन्होंने यह भी कहा था कि देश में बहुत से घपले हैं। लेकिन फिर न जाने कैसे उन्होंने अपने ही बयान पर शीर्षासन करते हुए अब कहा है कि श्देश का बचपन खतरे में हैं, इसलिए इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा यही है। कुछ लोग बचपन का इस्तेमाल आंदोलन में कर रहे हैं। यदि देश का बच्चा प्राइमरी स्कूल में पढ़ रहा है और आप उसको आंदोलन में धकेल देंगे, तो बच्चा पढ़ेगा कब। उसको पता ही नहीं कि आंदोलन क्या होता है। लेकिन आपने उसको आंदोलन में धकेल दिया कि जाओ तुम भी थाने का घेराव करो, सड़कों पर उतर जाओ, डीएम–एडीएम का घेराव करो। छोटे बच्चों को आंदोलन में नहीं धकेलना चाहिए, ऐसा पूरी दुनिया में कहीं नहीं होता। रामदेव ने यह भी कहा कि देश में अराजक आंदोलन तो नहीं होना चाहिए, लेकिन संवैधानिक, लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित आंदोलन होने चाहिए। आंदोलन के नाम पर अराजकता नहीं होनी चाहिए। देश की शिक्षा और चिकित्सा को लेकर गहरे प्रश्न हैं, उनका समाधान होना चाहिए। रामदेव ने कहा, श्यह किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है कि वो देश की व्यवस्था बदल सके। इसके लिए तीन स्तर पर जागरूकता चाहिए। सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की जागरूकता चाहिए।पाठक जानते हैं कि योग शिविर लगाते–लगाते रामदेव की गिनती देश के दिग्गज कारोबारियों में होने लगी है। देश–विदेश में उनके पतंजलि आयुर्वेद का करोड़ों का कारोबार फैला हुआ है। इसलिए वे सुविधाजनक तरीके से अपने बयान से पलटते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं। लेकिन इस बार उन्होंने जो कुछ कहा है उस पर गौर करना जरूरी है। रामदेव कट्टर मोदी समर्थक माने जाते रहे हैं। अन्ना आंदोलन के बाद उनका भी आंदोलन यूपीए सरकार के खिलाफ हुआ था और पुलिस कार्रवाई होने पर उन्होंने सलवार पहनकर भागने की कोशिश भी की थी। बहरहाल, यूपीए सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर सत्ता से हटाने के लिए खुलकर आंदोलन करने और दूसरे आंदोलनों का समर्थन करने वाले रामदेव अब ज्ञान दे रहे हैं कि आंदोलन कैसे होने चाहिए और कैसे नहीं। आंदोलन की मुखालफत करने वाले रामदेव यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने जरा सी भी अराजकता नहीं दिखाई, बल्कि बेहद अनुशासित तरीके से अपनी मांगें सामने रखीं थीं। मोदी सरकार इस समय जेन जी और जेन अल्फा के मुखर होने के कारण घिर ही चुकी है, तो रामदेव कह रहे हैं कि देश में व्यवस्था बदलना किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर उन्हें खुलकर नरेन्द्र मोदी से कहना चाहिए कि फ्रेंड्स के लिए रील बनाने से लेकर, ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और नोटबंदी की घोषणा तक सारे काम आप ही क्यों करते हैं, अपने मंत्रियों को काम करने क्यों नहीं कहते।रामदेव ने बड़ी चालाकी से सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की बात कही, लेकिन सरकारी शब्द मुंह से नहीं निकाला। जबकि शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार का पहला जिम्मा लोककल्याणकारी सरकार का ही बनता है। अगर जिम्मेदारी निभाई नहीं जाती तो फिर सत्ता पर बैठे लोगों को हट जाना चाहिए। और जहां तक उन्हें इस बात पर आपत्ति है कि बच्चों को पढ़ना चाहिए, आंदोलन में उनका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो फिर रामदेव यह भी बता दें कि क्या देश के अधिकतर सरकारी स्कूल इस हाल में हैं कि वहां बच्चे बिना किसी दिक्कत के पढ़ सकें। बच्चों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलीं, तभी तो कई जगहों पर उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।बच्चों की पहल और संघर्ष देखकर ही अभिजित दिपके ने स्कूल ठीक करो अभियान शुरु किया तो अब राजस्थान सरकार ने उसमें भी चालाकी दिखाई। सरकारी स्कूलों की खस्ता हालत दिखाते हुए छात्र–विरोध की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए, तो अब शिक्षा विभाग ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश और फोटो–वीडियोग्राफी को लेकर नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं कि प्रधानाचार्य या संस्था प्रधान की पूर्व अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। आदेश के मुताबिक, स्कूलों में प्रवेश के दौरान विजिटर रजिस्टर में एंट्री भी करनी होगी। क्लासरूम, लैब, लाइब्रेरी, हॉस्टल, टॉयलेट समेत अन्य जगह भी अधिकृत शिक्षक और अधिकारी के साथ ही प्रवेश किया जा सकेगा। आदेश में छात्रों और शिक्षकों की फोटो, वीडियो, इंटरव्यू, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग के लिए भी प्रिंसिपल की पूर्व लिखित अनुमति जरूरी की गई है।जैसे किसी विदेशी मेहमान के आने पर झुग्गी–झोपड़ियों और राजधानी की गंदगी को सफेद, चमकीले पर्दे से मोदी सरकार ढंकती आई है, वही उपाय राजस्थान ने दूसरे तरीके से आजमाया कि किसी को स्कूल की दुर्दशा देखने ही न दो। हालांकि सीजेपी के आशुतोष रांका ने इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा है ।

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची ने जो सियासी संकेत दिया है वह सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

नीरज

नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है। हम आपको बता दें कि आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है। इस बदलाव को केवल संगठनात्मक फेरबदल मानना मुश्किल है। यह संकेत है कि नितिन नबीन डिजिटल और राजनीतिक नैरेटिव की लड़ाई में नई रणनीति और नए चेहरों के साथ उतरना चाहते हैं। साथ ही चूंकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में पार्टी के प्रभारी रह चुके हैं ऐसे में वह जानते हैं कि उस राज्य के किस नेता की कार्यक्षमता का उपयोग कहां पर करना पार्टी के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा, स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली, संसदीय अनुभव और विपक्ष के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर लाना बताता है कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे निर्णायक राज्य में राजनीतिक सक्रियता को और धार देना चाहती है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। छह महिला उपाध्यक्षों की मौजूदगी से महिला प्रतिनिधित्व का संदेश भी स्पष्ट है। इसके अलावा, राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया शामिल हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है। साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी व्यापक क्षेत्रीय संतुलन दिखाई देता है। कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये डॉ. संदीप पाठक और फांगनॉन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देब बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इनमें दक्षिण, पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत, हिंदी पट्टी और शहरी राजनीतिक पृष्ठभूमि, सभी को जगह मिली है। नई टीम के अन्य हिस्से भी राजनीतिक संकेत दे रहे हैं। केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग और केंद्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे बनाए गए हैं। नॉर्थ–ईस्ट कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा और संयुक्त कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी राजीव बब्बर को दी गई है। सभी सेल्स के समन्वय की कमान विष्णु दत्त शर्मा को मिली है, जबकि ऋतुराज सिन्हा और विष्णु वर्धन रेड्डी संयुक्त समन्वयक होंगे। मोर्चों की कमान भी सामाजिक और चुनावी विस्तार को ध्यान में रखकर तय की गई है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. हेमंग जोशी, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, किसान मोर्चा के अध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, एससी मोर्चा के अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, एसटी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. मन्नालाल रावत और अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बसीत अली बनाए गए हैं। इससे भाजपा ने समाज के अलग–अलग वर्गों के बीच संगठनात्मक पहुंच को मजबूत करने की कोशिश की है। वित्तीय मोर्चे पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पीयूष गोयल के प्रशासनिक और आर्थिक अनुभव का लाभ संगठन के वित्तीय प्रबंधन को मिल सकता है। पीयूष गोयल पहले भी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। यहां सवाल यह है कि अब देखना यह होगा कि

श्एक व्यक्ति एक पदश के सिद्धांत को महत्व देने वाली भाजपा क्या पीयूष गोयल से केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को कहती है या फिर वह दोनों पदों पर बने रहेंगे? कुल मिलाकर नितिन नबीन की टीम का संदेश साफ है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदाधिकारियों की सूची के रूप में नहीं, बल्कि चुनावी मशीनरी के रूप में कसना चाहती है। राम माधव की रणनीतिक समझ, वसुंधरा राजे का जनाधार, स्मृति ईरानी की आक्रामक राजनीतिक शैली, सुनील बंसल का संगठनात्मक अनुभव, पीयूष गोयल की प्रशासनिक क्षमता और दक्षिण–पूर्वोत्तर से आए नेताओं का क्षेत्रीय अनुभव पार्टी के लिए अलग–अलग मोर्चों पर उपयोगी साबित हो सकता है। लेकिन असली चुनौती भी यहीं से शुरू होती है। अलग–अलग क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं वाले नेताओं को एक सूत्र में बांधना, राज्यों में गुटबाजी को नियंत्रित करना, डिजिटल नैरेटिव को विपक्ष के हमलों के सामने प्रभावी बनाना, संगठन और सरकार के बीच तालमेल कायम रखना और आगामी चुनावों में इन नियुक्तियों के जरिये साधे गये सामाजिक समीकरणों को वास्तविक वोटों में बदलना आसान नहीं होगा। नितिन नबीन ने टीम चुन ली हैय अब इस टीम को परिणाम देने वाली राजनीतिक ताकत में बदलना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

छगन लाल

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती–किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा। परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे–तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती–किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप–दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने–अपने घरों में अराध्य देवी–देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी–बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओढ़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा–भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती–किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप–दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधध्कर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच–रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधान आदि को नहला–धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल–गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी–पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव–गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे–चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती–किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के खेल मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु–बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्लस, खो–खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं। हरेली तिहार सामाजिक समरसता का प्रतीक है यह केवल धार्मिक या कृषि पर्व नहीं है यह समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने का माध्यम है। गांव के लोग मिल–जुलकर पूजा और कार्यक्रमों का आयोजन करते है। इस दिन परिवार में सुख–समृद्धि की कामना के साथ ही प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

7000 मीट्रिक टन कचरा छोड़ किसने हरिद्वार को कूड़ाद्वार बना डाला

अभिनय

भारत का कैलेंडर 12 महीने उनमें से एक महीना सावन मोटा–मोटी बारिश का महीना तभी तो इस पर गाना भी बना है सावन का महीना पवन करे शोर। सावन का महीना भगवान शिव का महीना माना जाता है इसलिए इस महीने शिवभक्त निकलते हैं एक यात्रा पर। 28 दिन की यात्रा यानि 4 हफ्ते में चार सोमवार सोमवार के व्रत की कोशिश रहती है कि उनकी यात्रा मंडे के दिन शिव मंदिर पहुंचे सावन के सोमवार को कावड़ यात्रा सबसे ज्यादा एक्टिव रहती है। लेकिन इतनी बड़ी धार्मिक यात्रा का असर सिर्फ घाटों और सड़कों पर दिखने वाली भीड़ तक सीमित नहीं रहता। कुछ ही दिनों के लिए किसी भी शहर की पॉपुलेशन अचानक कई गुना बढ़ जाए तो उसके रोड्स, पार्किंग, टॉयलेट, सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम हर चीज की कैपेसिटी टेस्ट होती है। 30 जुलाई 2026 से शुरू हुई इस साल की कावड़ यात्रा 11 अगस्त को खत्म हुई। करीब 14 दिनों तक हरिद्वार में करोड़ों कावड़ यात्री पहुंचे और उनके लौटने के बाद शहर के सामने अब एक नई चुनौती हजारों टन वेस्ट को साफ करना है। सावन में 4 करोड़ शिव भक्त हरिद्वार पहुंचे थे। मतलब एक छोटा सा कुंभ। गंगा जी से जल लेने। घाट पर कमरे बने थे माताओं बहनों के कपड़े बदलने के लिए। जब सफाई की गई तो उसके अंदर जानते हैं क्या निकला? पेशाब भरी बोतलें। अब हरकी पैड़ी पर जो लोग झाडू लेकर वहां सफाई कर रहे हैं, कूड़े के पहाड़ को दिखा रहे हैं। हमें उनके दुख दर्द को भी समझना पड़ेगा। हालत यह हो गई कि निगम के अपने कर्मचारी कम पड़ गए। इतना कूड़ा था। हजार कर्मचारी बाहर से बुलाने पड़े। कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम पहले कावड़िया थे उन्होंने बिहार के सुल्तानगंज से कांवड़ में गंगाजल भर बाबाधाम यानि बैजनाथ में शिवलिंग का जलाभिषेक किया था पुराणों में यह कहानी भी आती है कि समुद्र मंथन से निकले विष को जब भगवान शिव अपने कंठ में धारण कर लिया तो उसके प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया तभी से गंगाजल लाकर सावन में शपथ समर्पित करने का ऑपरेशन शुरू हुआ। एक अन्य कहानी ये भी है कि शिव भक्त रावण ने विशेष शिव को राहत देने के लिए कांवड़ में जल भरकर पर जो कि यूपी में है के पुरा महादेव शिवमंदिर में शिवजी का जलाभिषेक किया इसके बाद कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई तीसरी कहानी कुछ जगह वाले कहानी रिपीट होती है मगर करता के व्यक्ति के साथ मंदिर और जल चढ़ाना सेम लेकिन रावण की जगह पर उस राम जो जलाभिषेक के लिए गढ़मुक्तेश्वर में बह रही गंगा नदी से जल लाए। एक कहानी त्रेता युग वाली कहानी भगवान राम वाला यह होता है तथा योग उसमें अपने दृष्टिहीन माता–पिता को तीर्थ यात्रा कराने के लिए श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र से मायापुर हरिद्वार में गंगा स्नान करवाने लाइफ है इसके लिए उन्होंने एक कावड़ बनाई और अपने माता–पिता को उसमें बिठाया माता–पिता को स्नान करवाने के बाद वापसी में अपने साथ गंगा जल ले आए यहीं से कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल करीब 4.8 करोड़ कावड़ यात्री हरिद्वार पहुंचे। वहीं यात्रा खत्म होने के बाद करीब 7000 से 8000 मेट्रिक टन वेस्ट होने की बात सामने आई है। अब सवाल यह है कि आखिर इतना कचरा आया कहां से? क्या इसका एक बड़ा कारण किसी शहर की कैपेसिटी से कई गुना ज्यादा लोगों का कुछ ही दिनों में वहां पहुंचना है या फिर इसमें लोगों के सिविक सेंस की भी भूमिका है? अगर पिछले कुछ सालों का डाटा देखें तो हरिद्वार में कावड़ यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2023 में करीब 4.07 करोड़, 2024 में 4.14 करोड़ और 2025 में करीब 4.52 करोड़ कावड़ यात्री यहां पहुंचे थे। इस साल यह संख्या बढ़कर करीब 4.8 करोड़ बताई जा रही है। यानी फुटफॉल लगातार बढ़ रहा है और जैसे–जैसे फुटफॉल बढ़ता है, वैसे–वैसे शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रेशर भी बढ़ता है। इस साल के वेस्ट आंकड़े को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में अलग–अलग नंबर्स मिलते हैं। इंडिया टुडे ने म्यनिसिपल ऑफिशियल के हवाले से करीब 7000 मेट्रिक टन वेस्ट कलेक्ट होने की बात कही है। वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया ने हरिद्वार म्यनिसिपल कॉरपोरेशन के नंदन कुमार के हवाले से करीब 8000 मेट्रिक टन वेस्ट कलेक्ट होने की रिपोर्ट की है। 8000 मेट्रिक टन कचरा यानी करीब 80 लाख किलो कचरा। नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा यानी एनएमसीजी के वेस्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में भी सोर्स सेग्रगेशन, कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन और डेजिग्नेटेड डिस्पोजेबल पर जोर दिया गया है। लेकिन इस साल की कावड़ यात्रा के दौरान कलेक्ट हुए करीब 7000 से 8000 टन वेस्ट का कितना हिस्सा रिसाइकल हुआ, कितना प्रोसेस हुआ और कितना डिस्पोजल के लिए भेजा गया, इसका डिटेल ब्रेकअप फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्लीनअप के दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक शीट्स, डिस्कारेड और गंदे कपड़े, प्लास्टिक बॉटल्स, स्लीपर्स और कुछ दूसरे तरह का कचरा मिला। कुछ रिपोर्ट्स में फूड वेस्ट और रोटन फूड का भी जिक्र है। वहीं कुछ चेंजिंग रूम्स में ऐसी बॉटल्स मिलने की बात सामने आई जिन्हें रिपोर्ट्स में यूरिन कंटेनिंग बॉटल्स बताया गया है। यानी यहां सिर्फ प्लास्टिक का कचरा नहीं था। लोगों के इस्तेमाल के बाद छोड़े गए कपड़े, फुटवेयर, बॉटल्स, खानेपीने से जुड़ा वेस्ट और दूसरी डिस्कारेड चीजें भी क्लीन अप का हिस्सा थी। कुछ जगहों पर यह कचरा सिर्फ रोड्स या मार्केट तक सीमित नहीं था। यानी जिस इलाके में इतनी बड़ी संख्या में लोग कुछ दिनों तक लगातार आते–जाते रहे, वहां हर तरफ सैनिटेशन सिस्टम पर प्रेशर पड़ा। हरिद्वार म्यनिसिपल कॉरपोरेशन के मुताबिक इस वेस्ट में प्लास्टिक शीट्स, डिस्कारेड कपड़े और दूसरे मटेरियल शामिल थे और सफाई पूरे कावड़ मेला एरिया में की गई थी। हम मां गंगा कहते हैं और उसी के किनारे पन्नी फेंकते, कपड़ा फेंकते, कूड़ा कचरा, खाने, टिफिन, चप्पल। यह भक्ति नहीं हो सकती है। यहां पर फिर यह संदेह उठता है कि यह गलत हरकत क्यों है? और यह हमें सिखाया क्यों नहीं जाता कि हमें अपनी मां गंगा को गंदा नहीं करना है। और यह पहली बार नहीं हुआ है। पिछले साल भी मेले के बाद करीब इतना ही कूड़ा यहां पर था 7000 टन। उसके पहले भी यही था। यानी यह इस बार हुआ हादसा नहीं है। यह हमारे यहां हर साल का रिवाज बन गया है। फीफा विश्व कप 2026 में जापान ने अपना पहला मुकाबला नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला। ग्रुप एफ का यह मुकाबला 2–2 से ड्रॉ रहा। नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच की आखिरी सीटी बजने बाद जापान के फैंस ने स्टैंड्स में मौजूद कचड़ा उठाना शुरू कर दिया। बाहर निकलने से पहले ब्लू बैग में फैंस ने वहां मौजूद कचड़ा उठा लिया। सोशल मीडिया इसका फोटो और वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस काम के लिए दुनिया भर में जापान की तारीफ हुई। मतलब जापान में थैली लेकर आते हैं कि अपना कचरा समेटेंगे और वो तो मैच देखने गए थे। कोई पूजा पाठ करने नहीं आते। लेकिन हम और आप मां गंगा से आशीर्वाद लेने आते हैं। उसके बाद भी वहां कचरा फैला कर आते हैं। याद कीजिए 2019 का प्रयागराज कुंभ करोड़ों लोग आए और उसी कुंभ में प्रधानमंत्री ने झुककर सफाई कर्मियों के पैर छुए थे। क्यों? क्योंकि वह सफाई का मतलब समझ रहे थे। यह समझना पड़ेगा कि शिव भी कौन थे भगवान भोलेनाथ कौन थे आप कथा याद कीजिए मां गंगा आसमान से उतरी पूरी की पूरी पूरे वेग से धरती कांप जाती संभाला किसने था भगवान शिव ने जटा में एक बूंद नीचे नहीं गिरने दी समुद्र मंथन में जहर निकला कोई नहीं पी रहा था वह भी भगवान शिव ने संभाला कंठ में रख लिया।

स्कूल बस की टक्कर से किशोर की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में मंगलवार सुबह करीब 8.00 बजे स्कूली बस की टक्कर से 16 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस को लेकर मिश्रिख की ओर भागने लगा। बस में सवार छात्राओं के शोर मचाने पर चालक ने बस खड़ी करके भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। हादसा मछरेहटा थाना क्षेत्र के मछरेहटा–मिश्रिख मार्ग पर धनधारी जंगल के पास काशीपुर मोड़ पर हुआ। बहादुरपुर गांव निवासी सरोज कुमार (16) पुत्र मनोज कुमार सुबह नित्यक्रिया के लिए घर से निकला था। इसी समय मिश्रिख की ओर जा रही स्व. यशोदा कन्या पीजी कॉलेज की स्कूली बस ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के बाद चालक ने बस रोकने के बजाय उसे मिश्रिख की ओर दौड़ा दिया। बस में बहादुरपुर गांव की एक दर्जन से अधिक छात्राएं सवार थीं। घटना की जानकारी होने पर छात्राओं ने शोर मचाया। इस पर चालक ने बस खड़ी की और वहां से भाग गया। हादसे की सूचना पर आसपास के ग्रामीण

मौके पर पहुंच गए। मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। सूचना मिलने पर मछरेहटा थानाध्यक्ष रजनीश कुमार वर्मा, संदना थाना प्रभारी प्रिंस सोनकर और मिश्रिख थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद मछरेहटा, मिश्रिख व संदना पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान इंस्पेक्टर मिश्रिख प्रदीप सिंह परिजनों से उलझते नजर आए। उन्होंने परिजनों से कहा कि दो मिनट में सही हो जाओगे। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

आराध्य और अभिनंदन ने लखनऊको दिलाई जीत

लखनऊ, (संवाददाता)। आराध्य यादव (51 रन) और प्लेयर ऑफ द मैच अभिनंदन सिंह (3.5–0–30–4) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ फॉल्कंस ने यूपी टी–20 लीग में पहली जीत दर्ज की। टीम ने नोएडा किंग्स को तीन विकेट से पराजित किया। नोएडा के 137 रन के लक्ष्य को लखनऊ ने 19.2 ओवर में सात विकेट विकेट खोकर प्राप्त किया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 138 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मो. सैफ (11) और प्रियम गर्ग (10) सस्ते में आउट हुए। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरे विकेटकीपर बल्लेबाज आराध्य ने एक छोर संभालते 40 गेंदों पर पांच चौके व दो छक्के की मदद से अर्धशतक पूरा किया। वह 51 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लखनऊ ने 15 रन के योग पर

तीन विकेट खो दिए। इस मुश्किल घड़ी में समीर रिजवी ने 19 गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 28 रन बनाते हुए लखनऊ को जीत दिलाई। नोएडा की ओर से शुभम गौतम ने तीन और और माधव कौशिक ने दो विकेट हासिल किए। इससे पहले लखनऊ फॉल्कंस के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। शोएब और अवनीश ने नोएडा के लिए तेज शुरुआत की। 34 रन के योग पर टीम को पहला झटका लगा, जब सलामी बल्लेबाज शोएब 15 रन बनाकर नवनीत की गेंद पर भुवनेश्वर को कैच दे बैठे। अभी टीम के स्कोर में नौ रन ही और जुड़े थे कि तभी कप्तान माधव कौशिक नौ रन बनाकर अभिनंदन सिंह की गेंद पर बोल्ड हो गए। 48 रन तक पहुंचते–पहुंचते नोएडा के आदित्य (0), अवनीश (11) और रवि (0) पवेलियन लौट गए।

डीएम कार्यालय के सामने एक परिवार ने आत्मदाह का किया प्रयास, जमीन पर कब्जे का आरोप,सभी सुरक्षित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार दोपहर करीब 12रू30 बजे जमीन पर अवैध कब्जे से परेशान एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने आत्मदाह का प्रयास किया। परिवार के सदस्यों ने खुद पर डीजल डाल लिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें रोक लिया और जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने बताया कि तीनों की हालत सामान्य है। बदलापुर क्षेत्र के सरोखनपुर निवासी देवी प्रसाद पटेल के परिवार ने आरोप लगाया कि पड़ोसी उनकी भूमि पर जबरन कब्जा कर अवैध निर्माण करा रहे हैं। परिवार की सदस्य संतरा देवी ने बताया कि उनकी भूमिहारी आराजी संख्या 360112 और 3602ध्2 पर सूबेदार पुत्र लामता प्रसाद द्वारा बिना अनुमति अवैध निर्माण कराया गया है। परिवार का आरोप है कि जमीन के दूसरे हिस्से पर भी कब्जा कर लिया गया है। विरोध करने पर मारपीट और फौजदारी की धमकी दी जाती है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, मामले को लेकर उन्होंने जिलाधिकारी,

उपजिलाधिकारी, चकबंदी अधिकारी और संपूर्ण समाधान दिवस में कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 17 अगस्त को भी उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र देकर गुहार लगाई थी और शिकायत का समाधान न होने पर तहसील परिसर में आत्मदाह करने की चेतावनी दी थी। वहीं, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने बताया कि जानकारी लेने पर पता चला कि देवी प्रसाद पटेल का परिवार बदलापुर क्षेत्र का रहने वाला है। परिवार ने डीजल पीने के साथ ही खुद पर डालने का प्रयास किया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें रोका और किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सभी की स्थिति सामान्य है। डीएम ने बताया कि ऊदपुर गेलहुवा गांव में करीब 10 डिसमिल जमीन के विवाद का मामला है। इसमें चार डिसमिल जमीन पर परिवार का कब्जा है, जबकि शेष छह डिसमिल में पक्का मकान बना है। पक्के निर्माण को नियम–कानून के तहत ही हटाया जा सकता है। परिवार पूरे 10 डिसमिल पर कब्जा चाहता है। चार डिसमिल का कब्जा उन्हें दिखाया गया है, जबकि शेष छह डिसमिल के लिए न्यायालय की प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने बताया कि परिवार और संबंधित अधिकारियों को आज शाम वार्ता के लिए बुलाया गया है, ताकि मामले का समाधान कराया जा सके।

लखनऊ में यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की सख्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय पर्व के मद्देनजर लखनऊ पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो और चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ 12 से 16 अगस्त 2026 तक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चले अभियान के दौरान कमिश्नरेट लखनऊ के सभी पांचों जोन में प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैंडों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बैरियर लगाकर वाहनों की जांच की गई। अभियान में कुल 19,643 वाहनों की जांच की गई, जिनमें 5,453 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 127 वाहनों को सीज किया गया।पुलिस कमिश्नर लखनऊ के दिशा–निर्देशन और संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान में सभी प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, चौकी प्रभारी और बीट प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमें तैनात रहीं। अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के साथ नागरिकों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं को रोकना रहा।चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट अथवा अमान्य दस्तावेजों के वाहन चलाने, तेज रफ्तार, विपरीत दिशा में वाहन चलाने, ट्रिपल राइडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने, वाहनों में हूटर एवं ब्लैक फिल्म का प्रयोग करने तथा वाहनों में अवैध रूप से बदलाव, विशेष रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने चालान करने के साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया।

संक्षिप्त खबरें

मत्स्य सम्पदा योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए 24 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के तहत खारे जल में तालाब निर्माण एवं निवेश, मध्याकार आरएएस, रियरिंग यूनिट, बैकयार्ड आरएएस, जलाशयों में मत्स्य अंगुलिका संचय तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता परियोजनाओं का लाभ पात्र लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।मत्स्य विभाग के अनुसार प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष जनसामान्य को योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त 2026 से शुरू की गई है। इसके तहत खारे जल में तालाब निर्माण एवं निवेश के लिए कुल 33.93 हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें सामान्य वर्ग, महिला तथा अनुसूचित जाति के लाभार्थी शामिल हैं।इसी प्रकार मध्याकार आरएएस के लिए सामान्य वर्ग में तीन इकाइयों का लक्ष्य रखा गया है। रियरिंग यूनिट के निर्माण के लिए महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 22.667 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैकयार्ड आरएएस के लिए महिला वर्ग में 241 इकाइयों का लक्ष्य है। जलाशयों में मत्स्य अंगुलिका संचय के लिए सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों के लिए 65,000 अंगुलिकाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

परिवहन निगम के आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में 5 प्रतिशत वृद्धि

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में कार्यरत एवं संबद्ध आउटसोर्स कार्मिकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर तथा प्रोग्रामर के मानदेय में पांच प्रतिशत की वृद्धि की है। बढ़ा हुआ मानदेय संबंधित कार्मिकों को जुलाई 2026 से प्रदान किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से परिवहन निगम में कार्यरत बड़ी संख्या में आउटसोर्स कार्मिकों को आर्थिक लाभ मिलेगा।परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पांच प्रतिशत की वृद्धि जनवरी माह में तथा शेष पांच प्रतिशत की वृद्धि जुलाई माह में प्रदान की जाती है। इसी व्यवस्था के तहत जुलाई माह से संबंधित कार्मिकों के मानदेय में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के साथ उन्हें आधुनिक, प्रभावी और यात्री केंद्रित बनाने में आउटसोर्स कार्मिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर और प्रोग्रामर जैसे तकनीकी एवं कार्यालयीन कार्यों से जुड़े कार्मिक निगम की विभिन्न सेवाओं और व्यवस्थाओं के संचालन में अपनी तकनीकी दक्षता का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों एवं कार्मिकों के हितों के प्रति संवेदनशील है। सरकार का प्रयास है कि निगम में कार्यरत कार्मिकों को उनके कार्य और योगदान के अनुरूप आर्थिक एवं कार्य संबंधी बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

संक्षिप्त खबरें

यूपी–जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 में 200 से अधिक जापानी उद्योगपति जुटेंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और विदेशी निवेश को गति देने के उद्देश्य से 18 से 23 अगस्त 2026 तक 'यूपी–जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026' का आयोजन उत्तर प्रदेश और दिल्ली में किया जाएगा। पांच दिवसीय इस महत्वपूर्ण निवेश सम्मेलन में जापान के 200 से अधिक प्रमुख उद्योगपति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, व्यापारिक प्रतिनिधि और नीति–निर्माता हिस्सा लेंगे। सम्मेलन के माध्यम से जापान के साथ उत्तर प्रदेश के औद्योगिक, तकनीकी और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा निवेश के नए अवसरों को जमीन पर उतारने पर जोर रहेगा।सम्मेलन में भाग लेने वाले उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यमानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी करेंगे। प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, अत्याधुनिक तकनीक के हस्तांतरण, संयुक्त परियोजनाओं तथा बड़े पैमाने पर स्थानीय रोजगार सृजन की संभावनाओं पर सरकार और उद्योग जगत के साथ चर्चा करेगा। इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, पर्यटन और इससे जुड़े क्षेत्रों में जापानी कंपनियों की कारोबारी रुचि को ठोस निवेश में बदलना है।जापानी प्रतिनिधिमंडल का 18 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जापानी कंपनियों को केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय उद्योग जगत तथा शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा।

शिक्षकों की कमी और समय से कक्षाएं न चलने पर छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विद्यालय में शिक्षकों की कमी और समय से कक्षाओं का संचालन नहीं होने की समस्या को लेकर सोमवार को दुबग्गा–कानपुर बाईपास चौराहा और बालागंज चौराहा पर धरना देकर प्रदर्शन किया। छात्र–छात्राओं के सड़क पर आने की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।सूचना पर अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी, उपजिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं से बातचीत की। अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें समझा–बुझाकर शांत कराया। इसके बाद सभी छात्र–छात्राएं सकुशल विद्यालय परिसर में वापस लौट गए।छात्र–छात्राओं की समस्याओं और उनकी मांगों के समाधान को लेकर विद्यालय परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ता शुरू की गई। मौके पर समाज कल्याण विभाग के उच्चाधिकारी, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी, उपजिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय के शिक्षक और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।अधिकारियों द्वारा छात्र–छात्राओं की ओर से उठाई गई शिक्षकों की कमी, कक्षाओं के समय से संचालन सहित अन्य समस्याओं पर विस्तार से जानकारी ली जा रही है। संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समस्याओं के समाधान और आवश्यक कार्रवाई को लेकर विचार–विमर्श किया जा रहा है।

भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, किसान और जनता महंगाई से परेशान - अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह बदहाल हो गई हैं। किसान अपनी समस्याओं को लेकर परेशान हैं और उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। महंगाई और भ्रष्टाचार ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार का अंत होगा, तभी प्रदेश की समस्याओं और जनता की परेशानियों का समाधान संभव होगा।अखिलेश यादव सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों और नौजवानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान डॉ. दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के बड़ी संख्या में किसानों ने उनसे मुलाकात की।

डॉ. दिग्विजय भाटी ने बताया कि किसान अमरोहा से लगभग 400 किलोमीटर का सफर एक बड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली से तय कर लखनऊ पहुंचे हैं।इस अवसर पर मुकेश सिद्धार्थ, राष्ट्रीय संयोजक, आंबेडकर सेना मेरठ ने बहुचर्चित ललिता गौतम प्रकरण में न्याय की लड़ाई के दौरान अखिलेश यादव द्वारा उनकी पीड़ा को समझने और मदद करने के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष के दौरान 16 आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। वहीं गाजियाबाद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण रूहेला ने अखिलेश यादव को 'गुमनाम क्रांतिकारी' पुस्तक भेंट की।अखिलेश यादव ने फिरोजाबाद के एक नौजवान का हालचाल लेते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि शिकोहाबाद के अंकित राठौर के संबंध में उन्हें जानकारी मिली कि लोहिया संस्थान में एक डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसका हाथ काटना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने लोहिया अस्पताल के प्रशासन से भी बातचीत की है।इस घटना पर दुख और क्षोभ जताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चौपट हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं, जिनमें चिकित्सा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मरीजों को गलत दवाएं दिए जाने से गंभीर नुकसान होने की शिकायतें मिलती हैं और इलाज के नाम पर मरीजों से लूट की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब स्वास्थ्य व्यवस्था में इस तरह की घटनाएं हो रही हों तो मरीजों की सुध लेने वाला कौन है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय घायलों को समय से अस्पताल पहुंचाने और उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 108 एंबुलेंस सेवा शुरू की गई थी। नवजात शिशुओं और प्रसूताओं की सुविधा के लिए 102 एंबुलेंस सेवा तथा अपराध नियंत्रण के लिए तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूपी डायल 100 सेवा शुरू की गई थी। इन जनहितकारी सेवाओं का उद्देश्य प्रदेश की जनता को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना और लोगों के जीवन को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इन जनहित की सुविधाओं को बर्बाद कर दिया है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। किसानों की समस्याओं पर सरकार गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से यूपी में आधुनिक मत्स्य पालन को मिल रही रफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ मत्स्य पालन भी किसानों की आय बढ़ाने के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रदेश में तालाब, जलाशय और अन्य जल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए मत्स्य पालन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, वैज्ञानिक प्रबंधन और बेहतर बाजार सुविधाओं को बढ़ावा देकर मत्स्य पालन को ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी और लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है।योजना के अंतर्गत लाभार्थीपरक और अलाभार्थीपरक दोनों प्रकार की परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीक, आधारभूत सुविधाएं, परिवहन, विपणन और बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर मत्स्य क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है।प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत इनलैंड सेक्टर में 31 परियोजनाओं का संचालन किया गया है। इनके माध्यम से प्रदेश में मत्स्य पालन से जुड़े आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ किसानों और मत्स्य पालकों को आधुनिक उत्पादन प्रणालियों से जोड़ा जा रहा है। योजना के तहत लगभग 2,763 हेक्टेयर क्षेत्र में तालाब निर्माण कराया गया है। इसके अलावा 482 हेक्टेयर में रियरिंग इकाइयां, 1,306 बायोफ्लॉक इकाइयां और 84 मत्स्य बीज हैचरियां स्थापित की गई हैं।इन आधुनिक प्रणालियों के विस्तार से सीमित क्षेत्र और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक मत्स्य उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं। इससे पारंपरिक मत्स्य पालन को आधुनिक एवं व्यावसायिक स्वरूप देने में भी मदद मिल रही है।मत्स्य पालन को वैज्ञानिक और तकनीकी आधार देने के लिए योजना के अंतर्गत 1,304 आरएएस इकाइयों तथा 5,151 बैकयार्ड आरएएस इकाइयों से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं। आरएएस यानी पुनर्चक्रण आधारित जलकृषि प्रणाली में पानी का पुनर्चक्रण कर कम जल में मत्स्य पालन किया जा सकता है। इससे पानी की बचत के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलती है।इसी प्रकार बायोफ्लॉक तकनीक कम स्थान और सीमित जल संसाधनों में अधिक मत्स्य उत्पादन के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में लगी आग पर पुलिस और दमकल ने पाया काबू

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज स्थित खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में सोमवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही हजरतगंज पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और दमकल कर्मियों की तत्परता से आग पर शीघ्र ही पूरी तरह काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10रू30 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना हजरतगंज को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, हजरतगंज भवन में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना हजरतगंज पुलिस तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। वहीं अग्निशमन केंद्र हजरतगंज से दो अग्निशमन वाहनों को आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर भेजा गया।घटनास्थल पर पहुंचने पर भवन के अंदर काफी धुआं भरा हुआ मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल आग बुझाने के साथ ही भवन से धुआं बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भवन के अंदर सघन तलाशी अभियान चलाया गया कि कहीं कोई व्यक्ति आग और धुएं के बीच फंसा न हो।पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने समन्वय के साथ लगातार प्रयास करते हुए आग पर शीघ्र ही पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। आग बुझाने के बाद भवन को सुरक्षित करने और स्थिति का जायजा लेने की कार्रवाई भी की गई।अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मौके पर स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। आग किस कारण लगी।

मानकनगर पुलिस ने झपटमारी के मामले में वांछित आरोपी को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। मानकनगर थाना पुलिस ने महिला से झपटमारी कर बैग छीनने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से झपटा गया करीब 26 हजार रुपये कीमत का वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद वर्मा पुत्र प्रदीप वर्मा, निवासी न्यू इन्द्रपुरी, भोला खेड़ा, कृष्णानगर, लखनऊ, उम्र करीब 24 वर्ष के रूप में हुई है। मामले में उसका साथी विशाल यादव उर्फ कल्लू को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।पुलिस के अनुसार, थाना मानकनगर में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 34ध्2026 की धारा 304(2)ध्317(2) बीएनएस से संबंधित घटना 3 जुलाई 2026 को हुई थी। बाइक सवार महिला सुबह करीब पांच बजे मोटरसाइकिल से जा रही थी। इसी दौरान अपाचे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसके कंधे पर टंगे बैग पर अचानक झपट्टा मारकर उसे छीन लिया और तेज रफ्तार से फरार हो गए थे।घटना की जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान विशाल यादव उर्फ कल्लू और प्रमोद वर्मा के रूप में की। आरोपी विशाल यादव उर्फ कल्लू को पुलिस ने 12 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि उसका साथी प्रमोद वर्मा फरार चल रहा था।मानकनगर पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर 16 अगस्त की शाम कनौसी फ्लाईओवर, सीएमएस स्कूल, आरडीएसओ के पास घेराबंदी कर प्रमोद वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से झपटमारी में गया वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 26 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी प्रमोद वर्मा का आपराधिक इतिहास भी है।

विश्वकर्मा समाज की एकजुटता को लेकर अहम बैठक, शिक्षा और सामाजिक विकास पर हुआ मंथन

देश की उपासना समाचार पत्र

मुम्बई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा। मुंबई से इस वक्त की महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है, जहां विश्वकर्मा समाज की विभिन्न समितियों के बीच आपसी समन्वय और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलीना समिति के प्रतिनिधियों ने नायगांव स्थित एकार्थी फाउंडेशन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान पिछले दिनों हुई आपसी भूल–चूक और मतभेदों को बातचीत के माध्यम से दूर करने तथा समाजहित में मिल–जुलकर आगे बढ़ने पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्य खबर बैठक में समाज के बच्चों की शिक्षा, सामाजिक एवं नैतिक ज्ञान, युवाओं के भविष्य और विवाह संबंधी विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श किया गया। सदस्यों ने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और सही दिशा देना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बैठक में दोनों समितियों की ओर से अपने–अपने विचार और सुझाव रखे गए। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के व्यापक हित के लिए आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर एकजुट होकर काम करना जरूरी है। श्री विश्वकर्मा संस्था, वसई कमेटी की ओर से भी महत्वपूर्ण संदेश दिया गया कि। "समाज तभी मजबूत और प्रगतिशील बनेगा, जब समाज की सभी समितियां एक–दूसरे का निरंतर सहयोग करें और समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।" इस बैठक का उद्देश्य आपसी समन्वय को मजबूत करना, समाज की नई पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाना और शिक्षा एवं सामाजिक विकास के माध्यम से विश्वकर्मा समाज को नई दिशा देना रहा।

जिले के स्कूलों में अब बिना अनुमति नहीं घुस सकेंगे यू-ट्यूबर और बाहरी व्यक्ति- बीएसए

अयोध्या।जिले के परिषदीय विद्यालयों में बाहरी व्यक्तियों, यू–ट्यूबरों और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों के अनधिकृत प्रवेश पर अब पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीएसए लालचंद ने बताया कि कोई भी यूट्यूबर,सोशल मीडिया व बाहरी लोग किसी भी परिषदीय विद्यालयों में बिना उनके अनुमति तथा सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना प्रवेश नहीं कर सकेंगे।जारी आदेश के मुताबिक बिना अनुमति विद्यालय परिसर के अंदर फोटो या वीडियो बनाना भी प्रतिबंधित रहेगा।इसका उद्देश्य विद्यालयों में अनुशासन बनाए रखने के साथ–साथ

विद्यार्थियों की सुरक्षा,निजता और शैक्षणिक वातावरण को सुरक्षित रखना है।जारी आदेश में उन्होंने यू–ट्यूबर और सोशल मीडिया वालों के लिए साफ संदेश दिया अब केवल कैमरा या मोबाइल लेकर विद्यालय पहुंच जाना और वहां वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर देना आसान नहीं होगा।किसी भी खबर, वीडियो, कवरेज या सोशल मीडिया कंटेंट के लिए पहले सक्षम अधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक होगा।बताया कि नियमों की अनदेखी करने वालों पर विभागीय स्तर से कार्रवाई की जायेगी।खबर के नाम पर बच्चों की निजता से खिलवाड़ नहीं बर्दास्त की जायेगी।विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे की सुरक्षा, निजता और सम्मान सर्वोपरि है।ऐसे में बिना अनुमति बच्चों, शिक्षकों अथवा विद्यालय परिसर की तस्वीरें और वीडियो बनाना गंभीरता से लिया जाएगा।

80 वर्षीय सेवानिवृत बैंक कर्मी ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर की आत्महत्या

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली पुलिस चौकी से महज कुछ ही दूरी पर आदर्श नगर कॉलोनी निवासी 80 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंक कर्मी बुजुर्ग ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर हाथ में हत्या कर ली।गोली चलने की आवाज सुनकर उनके परिवार के अलावा स्थानीय लोगों में हड़कंप बच गया।स्थानीय लोगों के मुताबिक बुधवार दोपहर लगभग 12:00 के आसपास यह घटना घटी।आदर्श नगर कॉलोनी निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग रामपाल सिंह के परिजन ने बताया कि वे पिछले काफी दिनों से डिप्रेशन में चल रहे थे।बुधवार दोपहर अचानक उन्होंने अपने कमरे में गए और अंदर से दरवाजा बंद कर डबल बैरल लाइसेंसी बंदूक से आत्महत्या कर लिया।घटना की सूचना पाते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा,देवकाली चौकी पुलिस कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि वे काफी दिनों से डिप्रेशन मे चल रहे थे और उनकी दवा भी चल रही थी।जिसके चलते उन्होंने कमरा बंद करके डबल बैरल बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर लिया।वही मौके पर फॉरेंसिक टीम भी बारीकी से छानबीन कर रही है।इस घटना की सूचना मिलते ही नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा नेता मनोज श्रीवास्तव, लेखपाल पुनीत सिंह सहित अन्य समाजसेवी व स्थानीय लोग राजनीतिक दलों से जुड़े नेता उनके परिजनों को सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच गये।

अब 42 मिनी नंदिनी से बढ़ेगा अयोध्या में दुग्ध उत्पादन छह नई डेयरियों के लिए चयन प्रक्रिया जारी - डा इन्द्रदेव

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। जिले में अब कुल 42 मिनी नंदिनी डेयरियां संचालित होंगी। इनमें वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए चयनित 36 डेयरियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए छह नई मिनी नंदिनी डेयरियां खोलने की चयन प्रक्रिया चल रही है।इन मिनी नंदिनी डेयरियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ ही किसानों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योजना में महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी अनिवार्य रखी गई है।डेयरी स्थापित करने के लिए शासन स्तर से परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है।पशुपालन विभाग ने डेयरियों में पाले जाने वाले पशुओं की प्रजातियां भी निर्धारित की हैं। चयनित लाभार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप दुधारू पशु

उपलब्ध कराने और उनके प्रशिक्षण में विभाग की ओर से सहायता दी जा रही है।इस संबंध मे मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. इंद्रदेव ने बताया कि पिछले वर्ष चयनित सभी 36 मिनी नंदिनी डेयरियों का कार्य पूरा हो चुका है और उनके संचालन की तैयारी की जा रही है। नई छह डेयरियों के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन किया है। आवेदन प्रक्रिया में 234 आवेदक शामिल हुए हैं, जिनमें महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की जानी है।उन्होंने बताया कि योजना के तहत एक मिनी नंदिनी डेयरी की परियोजना लागत करीब 23 लाख 60 हजार रुपये है, जिस पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। डेयरी के लिए आवश्यक शेड समेत अन्य आधारभूत सुविधाओं का कार्य भी योजना के तहत कराया जा रहा है।पशुपालन विभाग का मानना है कि मिनी नंदिनी डेयरियों के विस्तार से अयोध्या में दुग्ध उत्पादन बढ़ने के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वहीं किसानों को पशुपालन के माध्यम से अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का बेहतर अवसर मिल सकेगा।

'नागपंचमी पर मनी महर्षि चरक जयंती' 'आयुर्वेद चिकित्सकों ने लिया जनस्वास्थ्य का संकल्प'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' आयुर्वेद के आचार्य महर्षि चरक की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय परिसर स्थित कार्यालय में चरक जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के अध्यक्ष एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने की। मुख्य अतिथि राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, नगर शाहजहांपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश कुमार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि चरक के चित्र एवं चरक संहिता के विधिवत पूजन–अर्चन से हुआ। आयुर्वेद की परंपरा के अनुसार मंत्रोच्चार एवं आयुर्वेदिक श्लोकों के साथ पूजन किया गया। चिकित्सकों ने महर्षि चरक को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आयुर्वेद के क्षेत्र में योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने कहा कि महर्षि चरक आयुर्वेद की गौरवशाली ज्ञान परंपरा के महान आचार्य थे। चरक संहिता आयुर्वेद के प्रमुख ग्रंथों में से एक है, जिसमें स्वास्थ्य संरक्षण, रोगों की चिकित्सा, आहार–विहार और स्वस्थ जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण सिद्धांतों

का वर्णन मिलता है। भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में महर्षि चरक को शेषावतार के रूप में भी श्रद्धापूर्वक माना जाता है, जिसके कारण नागपंचमी के दिन चरक जयंती मनाने की परंपरा का विशेष महत्व बताया गया। डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि चरक जयंती केवल पूजन और स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने तथा जनस्वास्थ्य से जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों को जन–जन तक पहुंचाने में आयुर्वेद चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकारी, गैर–सरकारी एवं निजी क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी आयुर्वेद चिकित्सकों को मिलकर आयुर्वेद के प्रचार–प्रसार एवं जनस्वास्थ्य के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी मानव सेवा एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही है, जबकि अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है। दोनों संस्थाओं की सेवा भावना का उद्देश्य स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आयुर्वेद चिकित्सकों ने जनमानस के स्वास्थ्य के प्रति अपने चिकित्सकीय दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करने, आयुर्वेद की ज्ञान परंपरा एवं भारतीय चिकित्सा विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार–प्रसार तथा समाज को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली। उक्त कार्यक्रम डॉ मुकेश पांडेय गंगसरा पुवायां के सौजन्य से आयोजित किया गया इस अवसर पर काफी संख्या में डॉक्टर्स मौजूद रहे।

जिले मे लंबे समय से जमे पुलिसकर्मी,कार्यकाल पूरा होने के बाद भी नहीं हुआ तबादला

अयोध्या।जिले मे लंबे समय से निरीक्षक से लेकर उप निरीक्षक हेड कांस्टेबल कांस्टेबल जमे हुए हैं।जबकि देखा जाए इन पुलिस कर्मियों की मानक के मुताबिक कार्यकाल अवधि पूरी हो चुकी है।यहां तक कि जिले में लंबे समय से कई निरीक्षक उप निरीक्षक तथा अन्य पुलिस कर्मियों की तैनाती भी महत्वपूर्ण थानों पर है। सूत्रों की माने तो जिले के कुछ थानों में कई पुलिस कर्मी लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात हैं,जबकि उनका निर्धारित कार्यकाल पूरा हो चुका है।वही देखा जाये तो जिले के विभिन्न थानों में तैनात पुलिस कर्मियों की कार्यावधि अलग–अलग है।इनमें कुछ ऐसे नाम भी बताए जा रहे हैं,जिन्होंने वर्तमान तैनाती स्थल पर निर्धारित समय पूरा कर लिया है।इसके बावजूद उनकी तैनाती अभी तक बरकरार है।बताया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर निरीक्षक और उप निरीक्षक के साथ–साथ हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबल स्तर के पुलिसकर्मी भी लंबे समय से एक ही थाना क्षेत्र में कार्यरत है।पुलिस महकमे मे तैनात जानकारों का कहना है कि किसी भी पुलिसकर्मी को लंबे समय तक एक स्थान पर बनाए रखने के पीछे प्रशासनिक आवश्यकता, कानून–व्यवस्था अथवा अन्य विभागीय कारण हो सकते हैं।इसलिए प्रत्येक मामले की स्थिति अलग–अलग हो सकती है।

अंडर–14 ओपन साइट एयर राइफल में आराध्या ने मारी बाजी

गोरखपुर, (संवाददाता)। सेंट जूड्स स्कूल के मेजबानी में आईसीएसई यूपी रीजनल शूटिंग प्रतियोगिता–2026 का आयोजन गोरखपुर शूटिंग अकादमी वाटर स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में हुआ। अंडर–14 ओपन साइट एयर राइफल में आराध्या चौधरी ने 379 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीप साइट एयर राइफल में आराना सिंह 363 अंकों के साथ विजेता रहीं। वहीं एयर पिस्टल स्पर्धा में रितिशा सिंह ने 396 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। अंडर–17 वर्ग में पीप साइट एयर राइफल में नैशा सिंघल, ओपन साइट एयर राइफल में उमिका शुक्ला और एयर पिस्टल में तेजस्वी जायसवाल ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर–19 वर्ग में पीप साइट एयर राइफल में आराध्या गुप्ता और ओपन साइट एयर राइफल में निराली ने बाजी मारी।

संस्कृत और आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर

गोरखपुर, (संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में चरक जयंती और संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसएन सिंह ने कहा कि संस्कृत और आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग, भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आचार्य चरक का आयुर्वेद के विकास में योगदान अतुलनीय है। वर्तमान समय में आयुर्वेद के वैज्ञानिक अध्ययन, विकास और व्यापक प्रसार की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि विश्व आयुर्वेद परिषद, उत्तर प्रदेश के सेवा प्रमुख डॉ. पीसी त्रिपाठी ने कहा कि जीवनशैली आधारित आयुर्वेदिक दृष्टिकोण आज की कई स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में उपयोगी है। परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. ज्वाला प्रसाद मिश्रा ने आयुर्वेद की लोक कल्याणकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में माधवकर और नागार्जुन बैच के विद्यार्थियों की रचनात्मक कृति 'श्लोकावली' का विमोचन किया गया। विद्यार्थियों ने संस्कृत नाटिका के माध्यम से आचार्य चरक के जीवन, चिकित्सा–दृष्टि और लोककल्याण की भावना को प्रस्तुत किया। संस्कृत सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण हंडूर, डॉ. प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पांडेय, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. कमलेश कुमार पांडेय, डॉ. देवी नायर सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

28 उपकेंद्रों पर 258 नियमित कर्मी, 570 आउटसोर्सिंग कर्मचारी तैनात

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर के 28 विद्युत उपकेंद्रों पर वर्तमान में 258 नियमित अधिकारी–कर्मचारी और 570 आउटसोर्सिंग कर्मचारी तैनात हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उपकेंद्रों और फील्ड में लाइनमैन की संख्या जरूरत के मुकाबले कम है। कर्मियों की सुरक्षा को लेकर बिजली निगम ने शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों के अनुसार शटडाउन लेने से पहले कर्मचारियों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराई जाती है। काम पूरा होने या ड्यूटी से लौटने पर किट जमा करा ली जाती है। विद्युत मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष अजय शाही ने बताया कि संगठन लगातार लाइनमैन की संख्या बढ़ाने की मांग करता रहा है। प्रत्येक उपकेंद्र पर जरूरत के अनुसार लाइनमैन उपलब्ध नहीं हैं। संख्या बढ़ने से फाल्ट और बिजली संबंधी कार्य तेजी से किए जा सकेंगे। बीते दिनों खंभे में करंट आने से कई हादसे हो चुके हैं। बांसगांव के धमऊर गांव निवासी 16 वर्षीय पुरुषोत्तम की बृहस्पतिवार को बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इसी दिन बड़गो मौलवी चौक के पास मकान पर काम करते समय करीब 40 वर्षीय मजदूर जवाहर पुत्र धनई की करंट लगने से मौत हो गई। शनिवार को बक्शीपुर में खंभे में करंट उतरने से एक व्यक्ति झुलस गया था। वहीं रविवार को पादरी बाजार के जंगल धूषण में करंट लगने से युवक की मौत हो गई थी। सोमवार को बिजली निगम ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती। नगर के चारों डिवीजन के कर्मचारियों को लगाकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में खंभों की टेस्टर से जांच कराई गई। अधीक्षण अभियंता शहरी रणजीत चौधरी ने बताया कि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो और विद्युत व्यवस्था सुरक्षित बनी रहे, इसके लिए निगम की शहरी टीम मुस्तैद है। हर क्षेत्र में खंभे की करंट टेस्टिंग की जा रही है।

मैदानों पर बोर्ड टंगे, खिलाड़ियों के सपने लटके

भदोही, (संवाददाता)। भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। 2036 ओलंपिक के लिए दावेदारी भी कर रहा है, लेकिन गांवों में खेल प्रतिभाओं को निखारने की मुहिम सिकुड़ते मैदानों में सिमट गई है। खेल मैदान न होने से प्रतिभाएं दम तोड़ रही हैं। आलम यह है कि पांच साल में 92 खेल मैदान चिन्हित हुए, लेकिन 14 ही विकसित हो सके। 78 खेल मैदानों पर बोर्ड या अन्य उपकरण लगाकर छोड़ दिया गया है। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए गांवों में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। कोविड महामारी के बाद शुरू हुई मुहिम जमीन के अभाव में दम तोड़ती दिख रही है। युवा कल्याण विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो 546 ग्राम पंचायतों में 92 गांवों में जमीन मिली। 2021 से अब तक 14 खेल मैदान बनकर तैयार हो गए हैं, जबकि 78 अधूरे हैं। कुछ स्थानों पर बोर्ड लगा है तो कुछ जगह ईंट की हल्की दीवार बनाकर छोड़ दिया गया है। सोमवार को हमारी टीम ने अभोली के अमिलहरा, भदोही के संवरपुर, मानिकपुर, अनेगपुर और सुरहन गांव में खेल मैदानों की पड़ताल की। इसमें सभी स्थानों पर काम 10 फीसदी भी नहीं हो सका है। आंकड़ों पर गौर करें तो 400 से अधिक खेल मैदान अतिक्रमण की जद में हैं। इन्हें अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कोई पहल नहीं की जा सकी। विभाग की तरफ से डीएम के माध्यम से तीनों एसडीएम को चार से पांच बार पत्राचार किया गया, लेकिन उसे अमल में नहीं लिया गया। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर शिवम दूबे का गांव चौरी के मानिकपुर में है। भले ही वह मुंबई में खेलकर आगे बढ़े हैं, लेकिन उनके पैतृक गांव के खेल मैदान की हालत ठीक नहीं है। मैदान में सिर्फ बोर्ड लगाकर जिम्मेदार भूल गए हैं। डीघ ब्लॉक के मदनपुर का खेल मैदान आज भी विकास के इंतजार में है। यह वही मैदान है, जहां से अंतरराष्ट्रीय बेसबॉल के खिलाड़ी रिंकू सिंह, दिवंगत मुरलीधर बिंद, जैवलिन खिलाड़ी कारती साहनी समेत 35 राष्ट्रीय खिलाड़ी निकले। यहां आज भी व्यवस्थाएं नहीं हो सकी हैं। जिले में कुल 546 ग्राम पंचायतें हैं। दो दशक पूर्व तक सभी गांवों में खेल मैदान रहे, लेकिन निजी लाभ के चक्कर में प्रधानों ने खेल मैदान से ही खेल कर दिया।

पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

भदोही, (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के कोइलरा गांव स्थित रेलवे क्रासिंग के समीप रविवार की रात पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से 38 वर्षीय छटंकी बिंद की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोइलरा निवासी छटंकी किसी काम से लालानगर आया था। वहां से वह पैदल घर जा रहा था। रेलवे लाइन करते समय प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी तेज थी कि घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतक को तीन बेटे हैं। हादसे से गांव में शोक का माहौल है। प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानंद पांडेय ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवार वालों को सौंप दिया गया है।

ससुर और साले को गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

वाराणसी, (संवाददाता)। गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र के बेल्सड़ी गांव में 14 अगस्त को हुई गोलीबारी की घटना के मुख्य आरोपी कुंदन सिंह उर्फ विशाल सिंह को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सरौली हरिजन बस्ती के पास पुलिस की घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए सीएचसी करंडा भेजा गया। क्षेत्राधिकारी नगर अनिल कुमार के अनुसार, बेल्सड़ी में हुई गोलीबारी में दो लोग घायल हुए थे। घटना के बाद से बरहपुर निवासी कुंदन सिंह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए करंडा और नंदगंज पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। सीओ सिटी के अनुसार, 17 अगस्त को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर करंडा और नंदगंज थाने की संयुक्त टीम ने सरौली हरिजन बस्ती के पास कच्चे रास्ते पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने बच निकलने के लिए टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कुंदन सिंह के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .312 बोर का एक देशी तमंचा, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी के खिलाफ करंडा थाने में गोलीकांड समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, कुंदन सिंह के खिलाफ करंडा और नंदगंज थानों में पहले से आठ मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट, धमकी, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास जैसी धाराओं में दर्ज मामले शामिल हैं।

किराना मंडी में जलभराव से मिलेगी राहत

गोरखपुर, (संवाददाता)। गीताप्रेस, किराना मंडी और साहबगंज मंडी में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की कवायद शुरू हो गई है। यहां जल्द ही नाले का चौड़ीकरण किया जाएगा। सोमवार को नगर आयुक्त अजय जैन ने विजय चौक स्थित निजी अस्पताल के पास चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। इसके बाद रेती चौक से गीताप्रेस, किराना मंडी, लालडिग्गी पार्क होते हुए मिर्जापुर पंपिंग स्टेशन तक नाले की स्थिति देखी। विजय चौक स्थित निजी अस्पताल के पास नाला सफाई की प्रगति देखने के बाद नगर आयुक्त ने संबंधित कर्मचारियों को सफाई कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए किराना मंडी से मिर्जापुर पंपिंग स्टेशन तक नाले को और चौड़ा कराने को कहा। इससे बारिश के दौरान पानी की निकासी बेहतर हो सकती है। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नाला सफाई और जलनिकासी से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान इन क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को कम किया जा सके। लालडिग्गी पार्क में स्थापित संपवेल की व्यवस्था भी नगर आयुक्त ने देखी। उन्होंने अधिशासी अभियंता अशोक भाटी को संपवेल में पानी की पर्याप्त निकासी सुनिश्चित करने के लिए इनलेट को और नीचे कराने के निर्देश दिए। साथ ही इनलेट पर रेगुलेटर की तरह गेट लगाने को कहा, ताकि पानी के प्रवाह को जरूरत के अनुसार नियंत्रित किया जा सके।

पेंशन संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए 15 दिसंबर को लगेगी अदालत

गोरखपुर, (संवाददाता)। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय में पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों की पेंशन संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए 15 दिसंबर को पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। यह अदालत सुबह 10:30 बजे रेलवे अधिकारी क्लब में लगेगी। पेंशनर और पारिवारिक पेंशनर अपनी शिकायत सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ तीन प्रतियों में 31 अक्तूबर तक संबंधित कार्यालय में जमा कर दें। शिकायत उसी कार्यालय में देनी होगी जहां से समापक भुगतान प्राप्त किया गया था। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन में आवेदक का नाम, कर्मचारी से संबंध, पूर्व कर्मचारी का नाम, पदनाम, कार्यस्थल, सेवानिवृत्ति या मृत्यु की तिथि, बैंक खाता, आईएफएससी कोड, बैंक का नाम, मोबाइल नंबर आदि देना होगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।